SUBJECT NAME HISTORY

SUBJECT CODE 027

(Q.P. CODE 61-5-3)

Marking Scheme –Hindi medium

Strictly Confidential

(For Internal and Restricted use only)

Senior Secondary School Certificate Examination, 2026

सामान्य निर्देश:-

1	सीबीएसई ने 2026 की परीक्षा से कक्षा XII की उत्तर पुस्तिका के मूल्यांकन के लिए ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएम) शुरू करने का निर्णय लिया है।
2	आप जानते हैं कि उम्मीदवारों के वास्तविक और सही आकलन में मूल्यांकन सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी सी गलती भी गंभीर समस्याओं को जन्म दे सकती है, जिससे उम्मीदवारों, शिक्षा प्रणाली और शिक्षण पेशे के भविष्य पर गहरा असर पड़ सकता है। गलतियों से बचने के लिए, आपसे अनुरोध है कि मूल्यांकन शुरू करने से पहले, मौके पर किए गए मूल्यांकन के दिशानिर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें और समझें।
3	"मूल्यांकन नीति एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसका सार्वजनिक होना परीक्षा प्रणाली को बाधित कर सकता है और लाखों उम्मीदवारों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकता है। इस नीति/दस्तावेज़ को किसी के साथ साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट आदि में छापना बोर्ड के विभिन्न नियमों और आईपीसी के तहत कार्रवाई को आमंत्रित कर सकता है।"
4	मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। यह किसी की व्यक्तिगत व्याख्या या अन्य किसी विचार के आधार पर नहीं किया जाना चाहिए। अंकन योजना का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। हालांकि, मूल्यांकन करते समय, नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित और/या नवीन उत्तरों की शुद्धता का अलग से मूल्यांकन किया जा सकता है और उन्हें उचित अंक दिए जा सकते हैं। कक्षा XII में, दो योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय, कृपया दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और यदि उत्तर अंकन योजना के अनुसार नहीं है, लेकिन उम्मीदवार द्वारा सही योग्यता का उल्लेख किया गया है, तो उचित अंक दिए जाने चाहिए।

5	अंकन योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझाए गए अंक दिए गए हैं। ये केवल दिशानिर्देश हैं और पूर्ण उत्तर नहीं हैं। छात्र अपनी अभिव्यक्ति दे सकते हैं और यदि अभिव्यक्ति सही है, तो तदनुसार अंक दिए जाने चाहिए।
6	मुख्य परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता द्वारा मूल्यांकित की गई पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं की जाँच करनी चाहिए, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि कोई भिन्नता पाई जाती है, तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे शून्य कर दिया जाना चाहिए। शेष उत्तर पुस्तिकाएँ, जिनका मूल्यांकन किया जाना है, तभी दी जाएँगी जब यह सुनिश्चित हो जाए कि प्रत्येक मूल्यांकनकर्ता के अंकन में कोई महत्वपूर्ण भिन्नता नहीं है।
7	मूल्यांकनकर्ता सही उत्तरों पर (√) चिह्न लगाएंगे। गलत उत्तरों पर 'X' का निशान लगाया जाएगा। मूल्यांकन करते समय मूल्यांकनकर्ता सही (✓) चिह्न नहीं लगाएंगे, जिससे यह आभास होगा कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिए जाएंगे। यह मूल्यांकनकर्ताओं द्वारा की जाने वाली सबसे आम गलती है।
8	यदि किसी प्रश्न के कई भाग हैं, तो कृपया प्रत्येक भाग के लिए OSM पोर्टल में दाईं ओर अंक दें। प्रश्न के विभिन्न भागों के लिए दिए गए अंकों को OSM सिस्टम द्वारा कुल मिलाकर जोड़ा जाएगा।
9	यदि किसी प्रश्न के कोई भाग नहीं हैं, तो OSM पोर्टल में बाईं ओर के हाशिये में अंक दिए जाने चाहिए। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
10	किसी त्रुटि के संचयी प्रभाव के लिए कोई अंक नहीं काटे जाएंगे। इसके लिए केवल एक बार ही दंड दिया जाना चाहिए।
11	उत्तर के लिए पूर्ण अंक प्रणाली 80 (उदाहरण के लिए प्रश्न पत्र में दिए गए 0 से 80/70/60/50/40/30 अंक) का उपयोग किया जाना है। यदि उत्तर उचित हो तो पूर्ण अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्य समय यानी प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा और मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं और अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण स्पॉट दिशानिर्देशों में दिया गया है)। यह कम किए गए पाठ्यक्रम और प्रश्नपत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य त्रुटियों को न दोहराएँ: ● उत्तरों को सही चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना। (सुनिश्चित करें कि सही निशान स्पष्ट रूप

	से लगा हो। यह केवल एक रेखा होनी चाहिए। गलत उत्तर के लिए X का निशान भी ऐसा ही होना चाहिए।) उत्तर का आधा या आंशिक भाग सही और शेष गलत चिह्नित करना, लेकिन अंक न देना।
14	उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते समय यदि उत्तर पूरी तरह से गलत पाया जाता है, तो उसे क्रॉस (X) के रूप में चिह्नित किया जाना चाहिए और शून्य (0) अंक दिए जाने चाहिए।
15	वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले परीक्षकों को "मौके पर मूल्यांकन के लिए दिशानिर्देश" में दिए गए दिशा-निर्देशों से स्वयं को परिचित कर लेना चाहिए।
16	निर्धारित प्रोसेसिंग शुल्क का भुगतान करने पर उम्मीदवारों को अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने का अधिकार है। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त मुख्य परीक्षकों/मुख्य परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन अंकन योजना में दिए गए प्रत्येक उत्तर के लिए निर्धारित अंकों के अनुसार ही किया जाए।
17	अगर कोई कैंडिडेट किसी सवाल में दोनों ऑप्शन आज़माता है, जहाँ सिर्फ़ एक ऑप्शन आज़माना ज़रूरी है, तो इवैल्यूएटर दोनों ऑप्शन में मार्क्स देगा। सिस्टम दो में से ज़्यादा वाला स्कोर लेगा और दूसरे जवाब को नज़रअंदाज़ कर देगा।
18	दो विकल्पों वाले प्रश्न में, यदि उम्मीदवार ने केवल एक का प्रयास किया है, तो मूल्यांकनकर्ता उस विकल्प के सामने “एनए” (प्रयास नहीं किया गया) चिह्नित करेगा जिसका उम्मीदवार द्वारा प्रयास नहीं किया गया है।

अंकन योजना
इतिहास (विषय कोड-027)
(पेपर कोड : 61/5/3) (12-05-27N)

नोट: अंकन योजना में उल्लिखित पृष्ठ संखाएं नवीनतम एनसीईआरटी ई-पुस्तक से ली गई हैं |

प्र. सं .	मूल्य बिंदु	पृ. सं.	अंक
	खण्ड क **(बहुविकल्पीय प्रकार के प्रश्न)**		21x1=21
1.	(D) संगम	173	1
2.	(B) I, II, III सही हैं	147	1
3.	(B) सयदी अली रेइस – तुर्की	137	1
4.	(C) आनंद	92	1
5.	(A) (A) – (ii), (B) – (iii), (C) – (i), (D) – (iv)	1-15	1
6.	(B) शाहजहां बेगम दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए (D) महाराष्ट्र	82 102	1 1
7.	(D) घटोत्कच	65	1
8.	(B) II, III, IV, I	50	1
9.	(A) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R) अभिकथन (A) की सही व्याख्या है	32,34	1

10.	(C) पंजाब और सिंध में शोर्तुघई की तुलना में अधिक वर्षा होती थी	7	1
11.	(C) परिसीमन कानून	283	1
12.	(B) कैबिनेट मिशन	430	1
13.	(D) अभिकथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सत्य है।	305	1
14.	(B) a-*iii*, b-*ii*, c-*i*, d-*iv*	320	1
15.	(C) महाराष्ट्र	347	1
16.	(D) हैदराबाद	292	1
17.	(A) डेविड रिकार्डो	2	1
18.	(A) I, II, III सही हैं	127,1	1
19.	(C)रुद्रदमन	171,1	1
20.	(B) चचर	214	1
21.	(B)अबुल फ़ज़ल	197	1
	खण्ड –ख **(लघु –उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		6x3=18
22.	**(क) कल्पना कीजिये कि आप हड़प्पा के मनकों और आभूषणों पर शोध कर रहे हैं। इससे आप हड़प्पा शिल्प उत्पादन और उससे होने वाले व्यापार के सम्बन्ध में कौन से तीन पहलुओं को समझेंगे ? स्पष्ट कीजिये।** **हड़प्पा के मनके :** (1) मनको को बनाने के लिए विभिन्न प्रकार की सामग्रियों का उपयोग किया जाता था (कार्नेलियन, जैस्पर, क्रिस्टल, क़ार्ट्ज और सेलखड़ी जैसे पत्थर),	11-14	3

	(तांबा, कांसा और सोना जैसी धातुएं) और शंख,फयांस और पकी मिट्टी। (2) मनकों के आकार असंख्य थे (चक्राकार , बेलनाकार, गोलाकार, ढोलाकार, खंडित) (3)मनके उत्कीर्णन या चित्रकारी के माध्यम से सुसज्जित किये जाते थे । (4) सामग्री के अनुसार मोती बनाने के लिए अलग-अलग तकनीकों का इस्तेमाल किया गया। (5) कार्नेलियन का लाल रंग, उत्पादन के विभिन्न चरणों पर पीले रंग के कच्चे माल को जलाकर पाया गया। घिसाई, पॉलिश करने और छेद करने से मनको और आभूषण को बनाने की प्रक्रिया पूरी होती थी। (6) नागेश्वर और बालाकोट महत्वपूर्ण उत्पादन केंद्र थे। शिल्प उत्पादन के लिए सामान की खरीद से मेसोपोटामिया, बहरीन, ओमान आदि के साथ व्यापार संबंधो का पता चलता है। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) कल्पना कीजिये कि आप पुरातत्व विभाग के एक छात्र कार्यशाला का हिस्सा हैं, जहाँ आपको हड़प्पाकालीन शवाधानो और <u>आभूषनो</u> के तीन पहलुओं के बारे में समझाना है। आप अपने सहपाठियो को इसके बारे में कौन से तीन पहलू प्रस्तुत करेंगे? स्पष्ट कीजिये।** **शवाधान:** (1) हड़प्पा स्थलों में शवों को सामान्यतः गर्तों में दफनाया जाता था। (2) कुछ को ईंटों से बने गर्तों में दफ़नाया गया था। (शायद सामाजिक अंतर दिखाने के लिए) (3) कुछ कब्रों में मिट्टी के बर्तन और आभूषण मिले हैं जो शायद इस विश्वास की ओर संकेत करते हैं कि इनका उपयोग मृत्यु के बाद किया जा सकता है।	9	3

	(4) पुरुषों और महिलाओं दोनों के शवों में आभूषण पाए गए हैं (5) कुल मिलाकर हड़प्पावासी मृतकों के साथ बहुमूल्य वस्तुओ को दफनाने में विश्वास नहीं करते थे। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
23.	**कृषि उत्पादन बढ़ने के लिए भारत के प्राचीन लोगों द्वारा उपयोग की गई किन्ही तीन रणनीतियों का वर्णन कीजिये |** (1), लगभग छठी शताब्दी ईसा पूर्व से गंगा और कावेरी जैसी उपजाऊ जलोढ़ नदी घाटियों में हल द्वारा कृषि का प्रचलन फैल गया। (2) लोहे के फाल वाले हल का उपयोग उन क्षेत्रों में जलोढ़ भूमि की जुताई के लिए किया गया जहाँ अधिक वर्षा होती थी। (3) रोपाई की शुरुआत से धान के उत्पादन में भारी वृद्धि हुई। (4) उपमहाद्वीप के उत्तरपूर्वी और मध्य पर्वतीय क्षेत्रो में रहने वाले लोग कुदाल से कृषि करने लगे जो उनके लिए अधिक उपयोगी थी | (5) कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए अपनाई गई एक और रणनीति कुओं और तालाबों के माध्यम से और कभी-कभी नहरों के माध्यम से सिंचाई का उपयोग थी। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये	38-39	3
24.	**मोंटेस्क्यू और कार्ल मार्क्स जैसे यूरोपीय विचारकों ने बर्नियर के भारत सम्बन्धी वर्णनों का किस प्रकार उपयोग किया? व्याख्या कीजिये।** (1) बर्नियर के भारत के विवरण का उपयोग करते हुए, फ्रांसीसी दार्शनिक मोंटेस्क्यू ने प्राच्य निरंकुश्वाद के सिद्धांत को विकसित किया (2) एशिया में शासकों को अपनी प्रजा पर पूर्ण	132	3

	अधिकार प्राप्त था, जिन्हें दासता और गरीबी की स्थिति में रखा जाता था। (3) सारी भूमि पर राजा का स्वामित्व होता था और निजी संपत्ति अस्तित्व में नहीं थी। (4) कार्ल मार्क्स ने 19 वीं शताब्दी में एशियाई उत्पादन शैली के सिद्धांत की अवधारणा विकसित की । (4) अधिशेष का अधिग्रहण राज्य द्वारा होता था इसे एक निष्क्रिय प्रणाली माना जाता था। (5) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
25.	**(क) विजयनगर साम्राज्य ने विरुपाक्ष मंदिर का विस्तार किस प्रकार किया? स्पष्ट कीजिये।** (1)सबसे प्राचीन मंदिर नवी-दसवीं शताब्दियों का था। विजयनगर साम्राज्य की स्थापना के बाद इसका विस्तार किया गया । (2)मुख्य मंदिर के सामने बना मंडप कृष्णदेव राय ने अपने राज्यारोहण के उपलक्ष्य में बनवाया था। (3) इसे सूक्षमता से उत्कीर्णित स्तंभों से सजाया गया था। उन्हें पूर्वी गोपुरम के निर्माण का श्रेय भी दिया जाता है । (4) मंदिर के सभागारों का प्रयोग विभिन्न प्रयोजनों के लिए किया जाता था जैसे देवताओं को स्थापित करना, संगीत, नृत्य, नाटक के कार्यक्रम देखना और देवताओं के विवाह का उत्सव मनाना। (5) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** (ख) **अमर- नायक प्रणाली को विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनीतिक खोज क्यों माना जाता है ? स्पष्ट कीजिये।** (1) अमर - नायक सैन्य कमांडर थे, जो राय द्वारा दिए गए क्षेत्र पर शासन करते थे । (2) उन्होंने किसानों, शिल्पकारों और व्यापारियों से	186-187 175	3 3

	भूराजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे। (3) वे राजस्व का कुछ हिस्सा व्यतिगत उपयोग तथा घोड़ों और हाथियों के दल के रखरखाव के लिए रख लेते थे। (4) राजस्व के कुछ भाग का उपयोग मंदिरों के रखरखाव और सिंचाई कार्यों के लिए किया जाता था। (5) अमरनायक हर साल राजा को भेंट भेजते थे और अपनी स्वामिभक्ति दिखाने के लिए तोहफ़े लेकर खुद राजकीय दरबार में उपस्थित होते थे। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
26.	**संथालों ने ब्रिटिश शासन के विरुद्ध विद्रोह क्यों किया ? स्पष्ट कीजिये ।** (1) संथालों ने पाया कि जिस ज़मीन पर उन्होंने खेती की थी वह उनके हाथ से निकलती जा रही थी। (2) राज्य संथालों द्वारा साफ़ की गई ज़मीन पर भारी कर लगा रहा था (3) साहूकार (दिकु) उनसे ऊँची ब्याज दरें वसूलते थे और ऋण न चुकाने पर जमीन पर कब्जा कर लेते थे। (4) ज़मींदार दामिन क्षेत्र पर नियंत्रण का दावा कर रहे थे । (5) संथालों का दर्जा ज़मींदार से घटाकर काश्तकार कर दिया गया । (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	241-242	3
27.	**भारतीय संविधान की दृष्टि को आकार देने वाली एतिहासिक शक्तियां कौन सी थी?स्पष्ट कीजिये ।** (1) कई अधिनियम पारित किए गए (1909, 1919 और 1935), जिसने धीरे-धीरे भारतीयों की भागीदारी बढ़ाई और भारतीय संविधान के दृष्टिकोण को आकार दिया। (2) लोकतंत्र, समानता और न्याय ऐसे आदर्श थे जो उन्नीसवीं सदी से भारत में सामाजिक संघर्षों के साथ	324-326	3

	अंतरंग रूप से जुड़ गए थे। (3) ज्योतिबा फुले एवं स्वामी विवेकानंद जैसे समाज सुधारकों का प्रभाव आदि। (4) कम्युनिस्टों और समाजवादियों ने श्रमिकों और किसानों को संगठित किया और उनके लिए आर्थिक और सामाजिक न्याय की मांग की । (5) राष्ट्रीय आंदोलन अनिवार्य रूप से लोकतंत्र और न्याय के लिए, नागरिकों के अधिकारों और समानता के लिए संघर्ष था। (6) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही तीन बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
	खण्ड-ग **(दीर्घ उत्तरीय प्रकार के प्रश्न)**		3X8=24
28.	**(क) " प्रथम सहस्राब्दी ई.पू. के मध्य को प्रायः विश्व इतिहास में एक महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी काल माना जाता है।" इस कथन की व्याख्या उदाहरण सहित कीजिए।** (1)इस काल में ग्रीस में सुकरात, प्लेटो और अरस्तू और भारत में महावीर और गौतम बुद्ध जैसे कई अन्य चिंतकों का उदय हुआ । (2) उन्होंने अस्तित्व के रहस्यों को समझने का प्रयास किया। (3) इसके साथ ही, उन्होंने मनुष्य और विश्व व्यवस्था के बीच के संबंध को समझने का प्रयास किया। (4) यह वह समय भी था जब नए राज्य और शहर विकसित हो रहे थे। (5) सामाजिक और आर्थिक जीवन कई तरह से बदल रहा था। (6) इस काल में वेदों का संकलन किया गया. (7) शुरू में यज्ञ सामूहिक रूप से किए जाते थे। बाद में कुछ यज्ञ घर के मुखिया द्वारा किए जाने लगे। राजसूय और अश्वमेध जैसे अधिक जटिल यज्ञ सरदार	84-85	8

	और राजाओं द्वारा किए जाते थे। (8) उपनिषदों से पता चलता है कि लोग जीवन के अर्थ, मृत्यु के बाद जीवन की संभावना और पुनर्जन्म के बारे में जानने के लिए उत्सुक थे। (9) बौद्ध ग्रंथों में 64 संप्रदायों या विचारधाराओं का उल्लेख किया गया है जिनमे जीवंत चर्चाएँ और बहसें आयोजित की गईं जो कूटागारशाला में होती थी - जिसका शाब्दिक अर्थ होता है नुकीली छत वाली झोपड़ी - या फिर उपवनों में जहाँ यात्रा करने वाले भिक्षुक रुकते थे। (11) महावीर और बुद्ध सहित कई शिक्षकों ने वेदों के प्रभुत्व पर प्रश्न उठाया। (12) कोई अन्य सुसंगत बिन्दु। कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) "हर स्तूप की अपनी संरचनात्मक कला और मूर्तिकला विशेषताएं हैं।" इस कथन की व्याख्या सांची स्तूप के संदर्भ में कीजिये।** **सांची स्तूप की संरचना** : (1) स्तूप की उत्पत्ति मिट्टी के एक साधारण अर्धवृत्ताकार टीले के रूप में हुई, जिसे बाद में अंड कहा गया । (2) धीरे-धीरे, यह गोल और चौकोर आकार में संतुलन बनाते हुए एक अधिक जटिल संरचना में विकसित हुआ। (3) अण्ड के ऊपर हर्मिका होती थी ,यह छज्जे जैसी संरचना देवताओं के निवास का प्रतीक थी। (4) हर्मिका से एक मस्तूल निकलता था जिसे यष्टि कहा जाता था ,जिस पर अक्सर छतरी या छाता लगा होता था। (5) टीले के चारों ओर एक रेलिंग थी, जो पवित्र स्थान को धर्मनिरपेक्ष दुनिया से अलग करती थी।	96,97, 100,102	4+4=8

	(6) साँची का प्रारंभिक स्तूप पत्थर की वेदिकाएं को छोड़कर सादा था , जो बाँस या लकड़ी की बाड़ जैसी दिखती थी, और प्रवेश द्वार, जो चारों दिशाओं में समृद्ध रूप से नक्काशीदार और स्थापित किए गए थे। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **मूर्तिकला की विशेषताएं** **(1)** प्रारंभिक मूर्तिकारों ने बुद्ध को मानव रूप में नहीं दिखाया - इसके बजाय, उन्होंने प्रतीकों के माध्यम से उनकी उपस्थिति दिखाई। (2) बोधि वृक्ष के नीचे खाली आसन बुद्ध के ध्यान की दशा को इंगित करता था। (3) स्तूप का उद्देश्य महापरिनिर्वाण का प्रतीकीकरण करना था । (4) एक अन्य प्रतीक चक्र था जो बुद्ध के प्रथम उपदेश का प्रतीक था, जो उन्होंने सारनाथ में दिया था । (5) शालभंजिका की मूर्ति को एक शुभ प्रतीक माना जाता था और स्तूप की सजावट में एकीकृत किया गया था। (6) जातक में कई जानवरों की कहानियाँ हैं जिन्हें साँची में चित्रित किया गया है| यह संभावना है कि इनमें से कई जानवरों (हाथी, घोड़े, बंदर और मवेशी) को दर्शकों को आकर्षित करने के लिए जीवंत दृश्य बनाने के लिए उकेरा गया था। (7) जानवरों को मनुष्यों के गुणों के प्रतीक के रूप में इस्तेमाल किया जाता था जैसे हाथी शक्ति और ज्ञान का प्रतीक माना गया | (8) एक लोकप्रिय महिला रूपांकन को बुद्ध की माँ के रूप में माना जाता है, अन्य उसे एक लोकप्रिय देवी, गजलक्ष्मी, सौभाग्य की देवी के रूप में पहचानते हैं (9) कोई अन्य प्रासंगिक बिन्दु।		

	(किन्ही चार बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
29	**(क) आइन- ए - अकबरी की शक्तियों और सीमाओं की परख कीजिये ।** **आइन- ए - अकबरी** **शक्तियां :** (1) आईन-इ-अकबरी सम्राट अकबर के आदेश पर अबुल फज़ल द्वारा शुरू की गई वर्गीकरण की एक बड़ी ऐतिहासिक और प्रशासनिक परियोजना का परिणाम थी। (2) आईन, इतिहास लेखन की एक बड़ी परियोजना का हिस्सा थी जिसे अकबर ने शुरू करवाया था। इस इतिहास को 'अकबरनामा' के नाम से जाना जाता है, जिसमें तीन जिल्दों में रचा गया था। (3) इसकी पहली दो जिल्दों ने एक ऐतिहासिक विवरण (कथा) प्रदान की। तीसरी पुस्तक, 'आईन-इ-अकबरी' को शाही नियमों और कानूनों के सारांश और साम्राज्य के एक राजपत्र के रूप में व्यवस्थित किया गया था। (4) आईन में दरबार के संगठन, प्रशासन और सेना, राजस्व के स्रोतों और अकबर के साम्राज्य के प्रांतों के भूगोल का विस्तृत विवरण मिलता है। (5) यह लोगों की साहित्यिक, सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं की जानकारी भी प्रदान करती है। (6) आईन पाँच पुस्तकों (दफ्तरों) से बनी है, जिनमें से पहले तीन दफ्तर प्रशासन का वर्णन करते हैं। (7) चौथे और पाँचवें दफ्तर भारत के लोगों की धार्मिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक परंपराओं से संबंधित हैं। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **सीमाएँ:** **(1)जोड़ करने** में अनेक त्रुटियाँ पाई गई हैं। (2) अबुल फजल द्वारा अंकगणित या नक़ल उतारने के दौरान उनके सहायक द्वारा साधारण गलतियों का	217-220	4+4=8

	परिणाम माना जाता है । (3) सभी सूबों से समान रूप से आंकड़े एकत्र नहीं किये गए थे | (4) कुछ महत्वपूर्ण मापदंड जैसे कि सूबों से कीमतें और मजदूरी अच्छी तरह से दर्ज नहीं किये गए हैं। (5) कई बार संशोधित किया गया लेकिन आइन में कुछ त्रुटियाँ अभी भी रह गई। (6) अधिकांश आंकड़े शाही राजधानी आगरा के अंदर या उसके आसपास के क्षेत्रों से संबंधित है और इसलिए देश के बाकी हिस्सों के लिए इन आंकड़ों की प्रासंगिकता सीमित है। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही चार बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) मुगल काल के ग्रामीण समाज में महिलाओं की भूमिका की परख कीजिये ।** (1) उत्पादन प्रक्रिया में अक्सर पुरुष और महिलाएं विशिष्ट भूमिकाएं निभाते थे। (2) खेतों में महिलाओं और पुरुषों को कंधे से कंधा मिलाकर काम करना पड़ता था। पुरुष खेत जोतते और हल चलाते थे, जबकि महिलाएं बुआई , निराई, कटाई और दाना निकालने का काम करती थीं। (3) घर (महिलाओं के लिए) और दुनिया (पुरुषों के लिए) के बीच लिंग आधारित अलगाव संभव नहीं था। (4) पश्चिमी भारत में रजस्वला महिलाओं को हल या कुम्हार के चाक को छूने की अनुमति नहीं थी, और बंगाल में पान के बागानों में प्रवेश करने की मनाही थी। (5) दस्तकारी से जुड़े कार्य जैसे सूत कातना, बर्तन बनाने के लिए मिट्टी को साफ करना और गूंथना, तथा कढ़ाई मुख्य रूप से महिला श्रम पर निर्भर थे। (6) कृषि समाज में महिलाओं को एक महत्वपूर्ण संसाधन माना जाता था क्योंकि वे श्रम पर निर्भर समाज में बच्चों	206-207	8

	को जन्म देने वाली थीं। (7) कुपोषण, बार-बार गर्भधारण और प्रसव के दौरान मृत्यु के कारण महिलाओं में उच्च मृत्यु दर का अर्थ अक्सर शादीशुदा महिलाओं की कमी होता था। (8) कई ग्रामीण समुदायों में विवाह के लिए दहेज के बजाय को ''दुल्हन की कीमत'' देने की आवश्यकता होती थी। (9) तलाकशुदा और विधवा महिलाओं के बीच पुनर्विवाह को वैध माना जाता था। (10) प्रजनन शक्ति के रूप में महिलाओं को दिए जाने वाले महत्व का अर्थ यह भी था कि उन पर नियंत्रण खोने का डर बहुत अधिक था। (11) स्थापित सामाजिक मानदंडों के अनुसार, घर का मुखिया पुरुष होता था। इस प्रकार महिलाओं पर परिवार और समुदाय के पुरुष सदस्यों द्वारा कड़ा नियंत्रण रखा जाता था। (7) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
30.	**(क) असहयोग आंदोलन ब्रिटिश शासन के विरुद्ध जनता को संगठित करने में किस हद तक सफल रहा? उपयुक्त उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिये ।** (1)**असहयोग आंदोलन** एक जन आंदोलन था जिसमें सभी क्षेत्रों के लोगों ने भाग लिया। (2) **असहयोग आंदोलन** को भारत के दो प्रमुख धार्मिक समुदायों, हिंदुओं और मुसलमानों को एक साथ लाने और औपनिवेशिक शासन को समाप्त करने के लिए खिलाफत आंदोलन से जोड़ा गया था। (3)इसमें किसान, मजदूर, छात्र, महिलाएँ, आदिवासी आदि शामिल थे। (4)छात्रों ने सरकार द्वारा चलाए जा रहे स्कूलों और कॉलेजों में जाना बंद कर दिया। वकीलों ने अदालतों में	290-291	8

	जाने से इनकार कर दिया। (5)कई शहरों और कस्बों में मजदूर वर्ग हड़ताल पर चला गया, जिससे सत्तर लाख कार्यदिवसों का नुकसान हुआ। (6)स्वदेशी अपनाया गया और विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया गया। (7) विद्वानों ने पुरस्कार और उपाधियाँ लौटा दीं। (8) लोगों से ब्रिटिश सरकार के साथ सभी स्वैच्छिक संबंधों के त्याग करने के लिए कहा गया| (9)ग्रामीण इलाके भी नाराज़गी से भरे हुए थे। उत्तरी आंध्र में पहाड़ी जनजातियों ने जंगल के कानूनों का उल्लंघन किया| (10) अवध के किसानों ने कर अदा करने से मना कर दिया। (11) कुमाऊं के किसानों ने औपनिवेशिक अधिकारियों के लिए बोझा ढोने से मना कर दिया। (12) किसानों, श्रमिकों और अन्य लोगों ने औपनिवेशिक शासन के साथ "असहयोग" करने का आह्वान किया और उस पर अपने हितों के अनुकूल तरीकों से काम किया। (13)इसमें प्रतिवाद , परित्याग और आत्म-अनुशासन शामिल थे । यह स्वशासन के लिए एक प्रशिक्षण था | (14) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये) **अथवा** **(ख) भारत के लिए गांधीजी के योगदान को समझने में उनके राजनितिक जीवन के विभिन्न स्रोत किस प्रकार सहायक हैं? उदाहरणों सहित स्पष्ट कीजिये।** **(1)** एक महत्वपूर्ण स्रोत महात्मा गांधी और उनके समकालीनों के लेख और भाषण हैं। (2) कई पत्र व्यक्तिगत तौर पर लिखे जाते थे , और इसलिए वे निजी होते थे , लेकिन कई बार वे आम जनता के लिए भी प्रकाशित किये जाते थे ।	308-314	8

	(3) महात्मा गांधी नियमित रूप से अपने पत्रिका हरिजन में उन पत्रों को प्रकाशित करते थे जो अन्य लोग उनको लिखते थे। (4) महात्मा गांधी और उनके समकालीनों के भाषण भारत के प्रति उनके योगदान को समझने में मददगार हैं (5) उनकी आत्मकथा हमें उनके अतीत का ब्यौरा देती हैं देती है जो मानवीय विवरणों के हिसाब से काफी समृद्ध है। (6) एक अन्य महत्वपूर्ण स्रोत सरकारी रिकॉर्ड है, क्योंकि औपनिवेशिक शासक उन लोगों पर कड़ी नज़र रखते थे जिन्हें वे सरकार के आलोचक मानते थे। (7) उस समय पुलिसवालों और दूसरे अधिकारियों के लिखे पत्र और रिपोर्ट गोपनीय रखे जाते थे; लेकिन अब उन्हें अभिलेखागारों में देखा जा सकता है। (8) के समय की पाक्षिक रिपोर्टों में यह देखा गया कि गृह विभाग यह मानने को तैयार नहीं था कि महात्मा गांधी के कार्यों से जनता में कोई उत्साहपूर्ण प्रतिक्रिया हुई थी। (9) नमक सत्याग्रह को एक नाटक, एक शरारत, उन लोगों को लामबंद करने के एक हताश प्रयास के रूप में देखा गया जो ब्रिटिश राज के खिलाफ उठने के लिए तैयार नहीं थे और अपने दैनिक कार्यक्रमों में व्यस्त थे, और राज के अधीन खुश थे। (10) एक और ज़रूरी स्रोत समकालीन अखबार हैं, जो अंग्रेजी के साथ-साथ अलग-अलग भारतीय भाषाओं में छपते थे । ये अखबार महात्मा गांधी की गतिविधियों पर नज़र रखते थे और उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट करते थे , और यह भी बताते हैं कि आम भारतीय उनके बारे में क्या सोचते थे । (11) तस्वीरों, चित्रों और चलचित्रों से यह पता चलता है कि जनता के बीच महात्मा गांधी की छवि कैसी थी यानी लोग उन्हें किस रूप में देखते थे। (12) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही आठ बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		
	खण्ड-घ		3X4=12

	(स्रोत आधारित प्रश्न)		
31.	**एक राक्षसी ?** **(31.1) कराइक्काल अम्मइयार कौन थी ?** कराइक्काल अम्मइयार शिव की एक नयनार महिला भक्त थीं । **(31.2) इस कविता में भगवान शिव का वर्णन कैसे किया गया है?** (a) शिव को एक ऐसे देवता के रूप में वर्णित किया गया है जो अपने शांत अंगों के साथ सभी आठों दिशाओं में जटाओं को बिखेरकर नृत्य करते हैं। **(31.3) कविता में दर्शाए गए केंद्रीय विरोधाभास का विश्लेषण कीजिये ।** (a) स्त्री सौंदर्य और राक्षस जैसी संरचना (b) उसने संसार का त्याग कर दिया (c) पितृसत्तात्मक मानदंडों की अवज्ञा। (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)	144-145	1 1 2
32.	**1857 का विद्रोह** **(32.1) विद्रोहियों के लिए बहादुर शाह की भागेदारी क्यों महत्वपूर्ण थी?** (a) वह एक मुगल बादशाह थे और विद्रोह के लिए राजनातिक वैधता ज़रूरी थी। (b) अब विद्रोह मुगल सम्राट के नाम पर किया जा सकता था। (c) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये) **(32.2) दिल्ली में विद्रोहियों की कार्रवाइयों से ब्रिटिश नियंत्रण के टूटने का पता कैसे चलता है ?** (a) अंग्रेज सिपाही मारे गए और विद्रोही लाल किले में घुस गए।	258	1 1

	(b) बड़ी संख्या में यूरोपियन मारे गए| (c) दिल्ली के अमीरों पर हमला किया गया और उन्हें लूटा गया। (d)कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये) **(32.3) इस विद्रोह में सिपाहियों और धार्मिक भावनाओं ने किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभाई? स्पष्ट कीजिये ।** (a)गाय और सुअर की चर्बी में लिपटे कारतूस सिपहियों में असंतोष का कारण थे| (b) सिपाहियों को गाय और सुअर की चर्बी से लिपटे कारतूस दांतों से खींचने के लिए मजबूर करना (c) इससे हिंदुओं और मुसलमानों दोनों के धर्म भ्रष्ट होने का भय (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओं का मूल्यांकन कीजिये)		2
33.	**विवाह के आठ प्रकार** **(33.1) पहली विवाह पद्धति में आभूषण और महंगे वस्त्र क्यों दिए जाते थे ?** (a) गहने और कपड़े वर – वधू के प्रति सम्मान का प्रतीक हैं। (b) वर –वधू को आर्थिक सहायता देने के लिए । (c) क्योंकि यह सीधे तौर पर सामाजिक प्रतिष्ठा से जुड़ा था। (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किसी एक बिंदु का मूल्यांकन कीजिये) **(33.2) चौथी विवाह पद्धति में पिता द्वारा वर का सम्मान करने के पीछे अन्तर्निहित विचार की व्याख्या कीजिये ।** (a) इसमें पिता की मंज़ूरी और आशीर्वाद झलकता था (b) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	58	1 1

	(33 .3) इन विवाहों ने बाद के भारतीय समाज की सामाजिक प्रथाओं को कैसे प्रभावित किया? (a) विवाहों में अनुष्ठानो का प्रचलन (b) दहेज (c) विवाह में धन की भूमिका (d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। (किन्ही दो बिन्दुओ का मूल्यांकन कीजिये)		2
34.	**खंड-ड.** **(मानचित्र आधारित प्रश्न)**		**3+2=5**
	भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा मानचित्र (पृष्ठ 27 पर) में , निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्नों से अंकित कीजिये और उनके नाम लिखिए (i) कालीबंगन – विकसित हड़प्पा पुरास्थल (ii) अजंता – प्राचीन बौद्ध स्थल (iii)(a) पानीपत - मुगलों के अधीन क्षेत्र **अथवा** (b) गोलकोंडा – मध्यकालीन राज्य **(34.2) भारत के इसी राजनितिक रेखा मानचित्र भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन से सम्बंधित दो केन्द्रों को 'A' और 'B' से अंकित किया गया है। उनको पहचानिए और उनके सही नाम उनके निकट खींची गई रेखाओं पर लिखिए ।** **नोट: निम्नलिखित प्रश्न केवल दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए प्र. सं.34 के स्थान पर है;** **34.1 पाकिस्तान में किसी एक विकसित हड़प्पा पुरास्थल का उल्लेख कीजिए।** हड़प्पा/ बालाकोट / आमरी / मोहनजोदड़ो (किसी एक का उल्लेख कीजिये)	2 95 174 214 289 2	1 1 1 1 2 1

	(34.2) बिहार में स्थित एक प्राचीन बौद्ध स्थल का उल्लेख कीजिए। बोधगया/ कुशीनगर	95	1
	(34.3) (a) किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिए जो मुगल साम्राज्य के अधीन था। अजमेर/ पानीपत /आगरा/दिल्ली (किसी एक का उल्लेख कीजिये) **अथवा**	174	1
	(34.3) (b) विजयनगर साम्राज्य के किसी एक पड़ोसी साम्राज्य का नाम बताइए । बीजापुर / गोलकोंडा / बीदर / वारंगल (किसी एक का उल्लेख कीजिये)	214	1
	(34.4) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन के किन्हीं दो केन्द्रों के नाम लिखिए। चंपारण / चौरी-चौरा / बॉम्बे / अमृतसर / कलकत्ता / खेड़ा/ दांडी (किन्हीं दो का उल्लेख कीजिये)	287-305	2

प्रश्न सं. 34 के लिए

For question no. 34